एक नजर में

लक्ष्मीनारायण के जयघोष से गूंजी विद्याधाम की गौशाला

इंदौर . विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं . राजेश शर्मा के निर्देशन में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में रविवार को सुबह लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के शुभारंभ प्रसंग पर यज्ञशाला एवं आश्रम परिसर भगवान लक्ष्मीनारायण तथा यज्ञ देवता के जयघोष से गूँज उठे . यह आयोजन 15 जून तक चलेगा . श्रीविद्याधाम परिवार के सुरेश शाहरा, पं . दिनेश शर्मा एवं राजेन्द्र महाजन ने बताया कि लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का शुभारंभ सुबह आश्रम की यज्ञशाला में विद्वान आचार्यों की मौजूदगी में हुआ . महायज्ञ में तारादेवी गोपाल मालू, नितिन माहेश्वरी, नवीन तिवारी, गोपाल महाजन, पवन माहेश्वरी, मनीष शर्मा आदि शामिल हुए . महायज्ञ में प्रतिदिन 1100 आहुतियाँ समर्पित कर विश्व शांति, जन कल्याण एवं यज्ञ में भागीदार परिजनों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की जाएंगी . विद्याधाम पर 26 मई से 11 जून तक भागवत का मूल पारायण भी प्रतिदिन सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा . इसी तरह गंगा दशहरा महोत्सव 17 से 25 मई तक प्रतिदिन सुबह 9 .30 से 12 बजे तक और दोपहर में 3 से 5 .30 बजे तक गंगाजी के दिव्य मंत्र से संपुटित श्री दुर्गा सप्तशती पाठ के साथ मनाया जाएगा . आश्रम परिवार के पं . दिनेश शर्मा ने बताया कि पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में विद्याधाम पर 18 से 24 मई तक पं . कमलेश दीक्षित के श्रीमुख से गोवर्धन भक्त महिला मंडल के तत्वावधान में भागवत कथा एवं 25 से 31 मई तक आचार्य राहुल कृष्ण शास्त्री के मुखारविंद से श्रीराम कथा का आयोजन सोढानी परिवार की मेजबानी में होगा।

भागवत के मूल पारायण का शुभारंभ

इंदौर . एयरपोर्ट रोड, पीलियाखाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य मे रविवार को सुबह हंस पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रामचरणदास एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास के सान्निध्य में 108 विद्वानों ने भगवान रणछोड़जी एवं टीकमजी सहित सभी देवी-देवताओं की साक्षी में भागवत के मूल पारायण का शुभारंभ किया . इसके पूर्व मठ परिसर में यजमानों एवं संत-विद्वानों ने नंगे पैर भागवतजी को मस्तक पर धारण कर परिक्रमा भी की . भागवतजी के साथ भगवान पुरुषोत्तम एवं टीकमजी के जयघोष के बीच विद्वानों ने पहले मंडल स्थापना की, फिर मंडल पूजन एवं गणेश अम्बिका पूजन के पश्चात भागवत एवं रामायण के पारायण तथा ओम नमो भगवते वासुदेवाय महामंत्र का जाप भी प्रारम्भ हुआ . मठ परिवार के महंत पं . अमितदास महाराज ने बताया कि मठ की परम्परा के अनुसार अधिकमास के उपलक्ष्य में रविवार से पूरे माह प्रतिदिन सुबह 9 से 12 एवं शाम 4 से 7 बजे तक 108 विद्वानों द्वारा यह दिव्य अनुष्ठान किया जाएगा जो 15 जून तक चलेगा . शोभायात्रा में भक्त मंडल के हरि अग्रवाल, अशोक गोयल, राजेंद्र सोनी, राजेंद्र गर्ग सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए . महंत अमितदास ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में प्रतिदिन आरती एवं ब्राह्मण तथा संतों के लिए प्रसादी भी होगी . सभी कार्यक्रमों की व्यापक तैयारियां शुरू हो गई हैं . मठ पर पुरुषोत्तम मास के दौरान भगवान के नौका विहार, फूलों की होली, संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ और अधिकमास की एकादशी पर विभिन्न विशेष उत्सव भी आयोजित होंगे। यह सम्पूर्ण आयोजन आश्रम स्थित गौशाला में पल रही गौमाता की साक्षी में होगा। मठ पर पूजा-अर्चना, दर्शन, गौसेवा, ब्राह्मण सेवा आदि के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं।

सामाजिक संसद का शपथ विधि समारोह

इंदौर . दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष आनंद गोधा द्वारा पहली साधारण सभा एवं शपथ विधि समारोह का आयोजन महावीर बाग पर रखा गया . इसमें बड़ी संख्या में समाजजनों ने उपस्थिति दर्ज कराई . साधारण सभा मे 136 मंदिर के अध्यक्ष सचिव एवं समाज के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे . समारोह की शुरुआत मंगलाचरण के साथ हुई, समारोह में समाज के कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे . समाजिक संसद की साधारण सभा कई सालों बाद हुई है . अध्यक्ष आनंद गोधा ने अपने उद्बोधन मे कहा कि में इस कांटों के ताज को फुलों का ताज बनाउंगा . समाज को पांच झोन मे बाटा है और प्रत्येक में पांच झोन के अध्यक्ष बनाए हैं . पांचो अध्यक्षों के साथ महिला प्रकोष्ठ की साधना दगड़े, युवा प्रकोष्ठ के राहुल स्पोर्ट्स, मीडिया में प्रभारी प्रवीण जैन, प्रवक्ता रेखा जैन को बनाया और 50 से अधिक पदाधिकारियों को शपथ दिलाई . इस अवसर पर महापोर पुष्पमित्र भार्गव समाज के वरिष्ठ एमके जैन, नवीन गोधा, महामंत्री हर्ष जैन . कोषाध्यक्ष विजय पाटनी, पूर्व न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार जैन, अमित कासलीवाल, नरेन्द्र वेद, कैलाश वेद राजेश खाकरोट दिलीप पाटनी कमलेश कासलीवाल प्रिन्सपाल टोग्या अनूप गांधी बाहूबली जैन के साथ सभी समाज जन शामिल हुए . कार्यक्रम का संचालन संगीता विनायका ने किया .

तीन पटाखा फैक्ट्रियों को किया सील

- सुरक्षा मानकों में मिली कमियां
- प्रशासन ने की कार्रवाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. देवास जिले के टोंक खुर्द गांव में पटाखा फैक्ट्री में लगी आग के बाद स्थानीय प्रशासन ने सतर्कता अभियान शुरू कर दिया है. आज प्रशासन ने राऊ तहसील में कार्रवाई करते हुए तीन पटाखा फैक्ट्री सील कर दी. तीनों फैक्ट्रियों में जांच के दौरान प्रशासन की गाइडलाइन अनुसार सुरक्षा मानकों का पालन नहीं पाया गया.

गत दिवस देवास जिले में पटाखा फैक्ट्री में हुई दुर्घटना तथा भीषण गर्मी को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिवम वर्मा ने जिले के सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्र में संचालित पटाखा गोदामों एवं फैक्ट्रियों की जांच करने के निर्देश दिए हैं. उक्त निर्देश के सिलसिले में प्रशासन द्वारा आज विभिन्न क्षेत्रों में जांच के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं में गंभीर कमियां पाई गई है। सुरक्षा कमियों को लेकर तीन पटाखा फैक्ट्रियों को सील किया गया. इनमें लक्ष्मी फायर वर्क एंड इंडस्ट्री ,दातोदा, सतनाम फायर वर्क सिमरोल और फटका मैन्युफैक्चरिंग घोसीखेड़ा शामिल हैं. कार्रवाई के दौरान राऊ एसडीएम गोपाल वर्मा एवं तहसीलदार सत्येंद्र गुर्जर और एसडीओपी पुलिस महू ने संयुक्त रूप से उपस्थित थे. उपरोक्त अधिकारियों ने जांच के दौरान पाया गया कि उक्त फैक्ट्रियों में शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप निर्माण एवं सुरक्षा व्यवस्था नहीं है. साथ ही मजदूरों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम भी नहीं किए गए थे. इसके चलते तीनों इकाइयों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया.

पानी समस्या को लेकर रहवासियों ने हाइड्रेंट तोड़ा

- टैंकरों की चाबी निकाली

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में जल संकट गहराता जा रहा है. स्थिति अनियंत्रित होती जा रही है. भीषण गर्मी में लोग पानी के लिए तरस रहे हैं. गुस्से में तोड़फोड़ पर आमादा होते जा रहे है. आज भी शहर के वार्ड 37 के रहवासियों ने पानी टंकी का हाइड्रेंट तोड़ दिया. साथ ही निगम के डी टैंकरों की चाबी और ड्राइवरों के मोबाइल छीन कर विवाद किया.

मामला नगर निगम झोन 8 के वार्ड 37 का है. यहां पर न्याय नगर के पास तपेश्वरी बाग कॉलोनी में पानी की भयंकर कमी है. इसको लेकर वार्ड में पार्षद पति महेश जोशी ने रहवासियों और निगम अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई थी. बैठक के दौरान रहवासियों ने पानी नही मिलने के शिकायत की और उग्र होकर पानी टंकी के हाइड्रेंड को नुकसान पहुंचा दिया. रहवासी इस कदर नाराज थे कि मौके पर खड़े पानी टैंकरों की चाबियां निकाल ली और ड्रायवरों के मोबाइल छीन लिए. स्थिति बेकाबू होते देख खजराना थाने से पुलिस पहुंची. करीब चार घंटे तक छिल विवाद के बाद मामला शांत हुआ. पार्षद पति महेश जोशी ने पानी के किल्लत को लेकर निगम अधिकारियों के साथ बैठक बुलाने के दौरान रहवासियों द्वारा हाइड्रेंट को नुकसान पहुंचाने को गलत बताया. जोशी ने कहा कि इससे समस्या का समाधान नहीं निकलता है , बल्कि और परेशानी बढ़ेगी. निगम के सहायक यंत्री शरद सोहनी ने खजराना थाने में शासकीय संपत्ति हाइड्रेट को नुकसान पहुंचाने और टैंकर चालकों की चाबी छीनने का आवेदन दिया है. संभवत: आज पुलिस रहवासियों के खिलाफ कार्रवाई कर सकती हैं.

मोडिफाइड सायलेंसर पर पुलिस की सख्ती, दो बुलेट जब्त

इंदौर/महू. मॉडिफाइड सायलेंसर लगाकर तेज आवाज में वाली बुलेट के चालकों के खिलाफ महू पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है. हाट मैदान क्षेत्र में चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो बुलेट बाइक पकड़ीं, जिनमें अवैध रूप से मॉडिफाइड सायलेंसर लगे हुए थे.

महू पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि दोनों चालक शहर में सायलेंसर से तेज और पटाखे जैसी आवाज से उपद्रव कर रहे थे. पुलिस ने दोनों वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए मौके पर ही मॉडिफाइड सायलेंसर निकलवा दिए. महू थाना प्रभारी राहुल शर्मा ने बताया कि शहर में इस तरह की हरकत करने वालों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा. यदि कहीं भी इस तरह की बाइक दिखाई दे, तो नागरिक तुरंत थाना महू को सूचना दे सकते हैं. पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश और इंदौर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है.

राजनीति की भाषा तो हर दिन के साथ खराब होती जा रही है : झा

- अभ्यास मंडल की 66वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यान माला

इंदौर. हमारे देश में राजनीति की भाषा ऐसी हो गई है कि आज यदि महात्मा गांधी होते और वह चुनाव लड़ लेते तो वह भी हार जाते. राजनेता केवल इवीएम की भाषा समझते हैं और भाषा इवीएम को नहीं समझती है. राजनीति की भाषा तो हर दिन के साथ खराब होती जा रही है लेकिन भाषा को लेकर चल रही राजनीति भी मन को दुखा रही है.

यह बात प्रसिद्ध चिंतक, विचारक और सांसद मनोज कुमार झा ने कही. वे आज शाम यहां जाल सभागृह में अभ्यास मंडल के द्वारा आयोजित 66 वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यान माला में राजनीति की भाषा और भाषा की राजनीति विषय पर संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि आज हमारे देश की जनता को नेता के रूप में आक्रामक नेता चाहिए होता है. हम यह नहीं सोचते हैं कि हम अपना नुमाइंदा चुन रहे हैं, कोई पहलवान नहीं चुन रहे हैं. अब तो हालत यह हो गई है कि यदि 1920 के दौर वाले गांधी जी भी आ जाए तो आज के हालात को देखकर वे चुनाव नहीं लड़ेंगे और यदि लड़ेंगे तो उनकी जमानत जप्त हो जाएगी. राजनीति की इस बदलती भाषा के लिए हम सभी गुनहगार हैं. लोकतंत्र में भाषा की गिरावट में कोई पार्टी पीछे नहीं है. पहले एक समय था जब यदि युवावस्था में भी किसी के मुंह से अपशब्द निकल जाता तो वह दोस्तों को पसंद नहीं आता था. आज तो इसी अपशब्द ने सम्मान की जगह ले ली है. कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथि का स्वागत श्याम सुंदर यादव, रामबाबू अग्रवाल, अन्ना दुराई, नेहा जैन, इशाक चौधरी, अंजेश ने किया. संचालन मनीष भालेराव ने किया. अतिथि को स्मृति चिन्ह अनिल त्रिवेदी और ओ पी गोयल ने भेंट किए. आभार प्रदर्शन अरविंद तिवारी ने किया. अभ्यास मंडल की इस व्याख्यान माला में सोमवार को भाजपा के मध्य प्रदेश के प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह का व्याख्यान रखा गया है.

मोहल्ले में नजर आ रही विभाजन की लकीर

उन्होंने कहा कि चुनावी लड़ाई में यदि भाषा को गिराना पड़े तो उससे बाज आना चाहिए. बांटने और काटने की भाषा से समाज बंटता है। देश की आजादी के समय पर जो विभाजन की लकीर दो देशों के बीच में खींची गई थीं. वह लकीर आज हर मोहल्ले में नजर आ रही है . हमारे संविधान की भाषा स्पष्ट है उस भाषा के स्थान पर प्रो झा ने कहा कि भाषा के विवाद में देश ने काफी कुछ खोया है . हिंदी पखवाड़े से हिंदी बड़ी भाषा नहीं बनी है बल्कि लोक माध्यम से हिंदी बड़ी भाषा बनी है . भाषा हमारे जीवन के माध्यम है .

बाबा लोकनाथ कला सम्मान मुकुल नाग व सुरेश वर्मा को

इंदौर. शहर का प्रतिष्ठित बाबा लोकनाथ कला सम्मान समारोह शनि जयंती के अवसर पर हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ. वहीं रविवार शाम शनि देव पालकी में सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकले. शनि जयंती के पर्व पर सुबह से देर रात्रि तक भक्तों की रही भीड़.

इस वर्ष बाबा लोकनाथ कला सम्मान अभिनेता साईं बाबा सीरियल फेम मुकुल नाग को वर्ष 2024 व इंदौर के प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक और लेखक सुरेश वर्मा बंजारिया को दिया गया. दादू महाराज संस्थान द्वारा वर्ष 2008 से आयोजित यह सम्मान आसाम के प्रसिद्ध संत बाबा लोकनाथ के नाम से संगीत, कला, अभिनय, नृत्य, लेखन आदि के क्षेत्र में यह पुरस्कार दिया जाता है. इस अवसर पर अभिनेता मुकुल नाग ने श्री कृष्ण धारावाहिक में किए अपने सुदामा चरित्र का कृष्ण सुदामा मिलन का एक अंश सभी श्रद्धालुओं के सामने प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया. उन्होंने कहा कि दादू महाराज संस्थान से यह प्रतिष्ठित सम्मान पाकर मैं अपने आप को सौभागशाली मानता हूं. इस अवसर पर मुख्य अतिथि कथावाचक मयंक व्यास, संत राजू दादा शास्त्री, विधायक मालिनी गौड, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, केंद्रीय जेल अधीक्षक अलका सोनकर, पार्षद हरप्रीत कौर लूथरा, समाजसेवी गोपाल गोयल, प्रमोद टंडन, ललित पोरवाल, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, पार्षद शिखा संदीप दुबे, एमआईसी मेंबर अश्विनी शुक्ल, पार्षद सोनाली धारकर, पार्षद संगीता चौधरी, पार्षद योगेश गेंदर, महापौर प्रतिनिधि भरत पारख, कांग्रेस नेता अनुरोध ललित जैन, हिमांशु यादव, भाजपा नेता रानू अग्निहोत्री, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष सौगात मिश्रा, भाजपा युवा मोर्चा उपाध्यक्ष अमित पालीवाल, अखिलेश शाह, टीनू जैन, संतोष रघुवंशी, मोहित संतोष वर्मा, अभय वर्मा, रामबाबू अग्रवाल,हरिनारायण यादव सहित कई श्रद्धालु जन उपस्थित थे. समारोह का संचालन अलका सैनी ने किया. अतिथियों का स्वागत संस्थान के प्रताप तोलानी, आशीष साहू, मनोज हार्डिया ने किया. आभार अशोक भुसारी ने माना.

पालकी यात्रा निकाली

वही रविवार संध्या 6 बजे से पालकी यात्रा आयोजित हुई, जिसमें प्रभु शनिदेव भक्तों को दर्शन देने निकले . महामंडलेश्वर डॉ . दादू महाराज के पावन सानिध्य में यात्रा मन्दिर से प्रारंभ होकर उषा नगर क्षेत्र में भ्रमण कर गजासीन शनिधाम द्वारा से होकर पुन: मन्दिर परिसर पहुंची . यात्रा में भक्त भजनों पर झूमते नाचते हुए शनिदेव के जयकारे लगाते रहे . मन्दिर पहुंचकर तत्पश्चात शनिदेव की आरती हुई। भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया .

एयरपोर्ट पर हंगामा : जवान से झूमाझटकी, राइफल छीनने की भी कोशिश

- पार्किंग एरिया में टैक्सी लगाने को लेकर हुआ था विवाद

इंदौर. अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पार्किंग एरिया में टैक्सी लगाने को लेकर शुरू हुआ विवाद अचानक गंभीर हो गया. विवाद के चलते दो युवकों ने ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा जवान से झूमाझटकी कर उसकी एके-47 राइफल छीनने की कोशिश की. मौके पर मौजूद अन्य जवानों ने तत्काल हस्तक्षेप कर दोनों को पकड़ लिया. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया है.

घटना उस समय की है, जब एयरपोर्ट परिसर में सुरक्षा के मद्देनजर वाहनों को पार्किंग में व्यवस्थित खड़ा कराया जा रहा था. इसी दौरान ड्यूटी पर तैनात जवान ने टैक्सी चालकों को लाइन में वाहन लगाने के निर्देश दिए. इस बात पर दो युवक भड़क गए और बहस करते-करते हाथापाई पर उतर आए. विवाद बढ़ते ही दोनों ने जवान पर झपट्टा मारते हुए उसकी सर्विस राइफल छीनने का प्रयास किया. हालांकि, आसपास मौजूद अन्य सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत दोनों युवकों को काबू में कर लिया. सूचना मिलते ही एयरोड्रम थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया. प्रारंभिक जांच में सामने आया कि दोनों सगे भाई हैं और टैक्सी चलाते हैं. पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट और हथियार छीनने की कोशिश जैसी धाराओं में मामला दर्ज कर कार्रवाई की है. मामले में एडीसीपी अमरेन्द्र सिंह का कहना है कि एयरपोर्ट जैसे संवेदनशील स्थल पर इस तरह की हरकत को गंभीरता से लिया जा रहा है. आगे भी सख्त निगरानी रखी जाएगी.

परंपरागत रस्मों के बीच मनाया दिव्यांग युगल का विवाह समारोह

इंदौर. पंचकुइया स्थित युगपुरुष धाम पर एक दिव्यांग युवा का विवाह समारोह धूमधाम से परंपरागत रस्मों के बीच मनाया गया. युगपुरुष धाम के 28 वर्षीय राजेश सोलंकी का विवाह हरदा की 22 वर्षीय युवती संगीता के साथ बिलकुल घर परिवार के विवाह जैसे जश्न के साथ मनाया गया.

इसमें संस्था के सचिव तुलसी धनराज शादिजा, अध्यक्ष जाह्नवी पवन ठाकुर, प्राचार्य डॉ. अनिता शर्मा, डॉ. अंकुर अग्रवाल, डॉ. अनुजा त्रिपाठी, बालकल्याण समिति के अध्यक्ष धर्मेन्द्र पंड्या, महिला बाल विकास विभाग के बाल संरक्षण अधिकारी रजनीश सिन्हा, सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त संचालक पवन चौहान, महिला बाल विकास की उपसंचालक अंशु बाला मसीह एवं उनकी टीम के सदस्यों ने शामिल होकर नवयुगल को उपहारों सहित विदाई दी. प्राचार्य डॉ. अनिता शर्मा ने बताया कि राजेश सोलंकी अपनी शारीरिक दिव्यांगता के चलते पिछले 9 वर्षों से संस्था में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं. उनका विवाह हाल ही में एक सामूहिक विवाह सम्मेलन में 22 वर्षीय युवती संगीता के साथ सम्पन्न हुआ. विवाह के आशीर्वाद समारोह में युगपुरुष धाम के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने खूब नृत्य किए और दिव्यांग होते हुए भी नवयुगल को अपने साथ नृत्य करने का अवसर दिया.

तनाव मुक्त जीवन से स्वस्थ मन और स्वस्थ हृदय का संदेश

इंदौर. ब्रह्माकुमारिज के ओम शांति भवन में विश्व हाइपर टेंशन डे के अवसर पर तनाव मुक्त जीवन, स्वस्थ मन एवं स्वस्थ हृदय विषय पर विशेष कार्यक्रम एवं नर्सेस सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में शहर के अनेक डॉक्टर्स, नर्सेस एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की.

मुख्य वक्ता राजयोगिनी डॉ. बीके अनुराधा दीदी ने कहा कि परमात्मा ही वह पावर बैंक हैं, जिनसे जुड़कर हम स्वयं को गुणों और शक्तियों से चार्ज कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि क्रोध, तनाव और भय की भावना ही हाइपर टेंशन का मुख्य कारण है. केवल दवाइयों से ही नहीं, बल्कि मेडिटेशन के माध्यम से भी इस बीमारी पर नियंत्रण पाया जा सकता है. वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सतीश फाटक ने कहा कि हाइपरटेंशन का मुख्य कारण तनावपूर्ण जीवनशैली, गलत खानपान, असंतुलित दिनचर्या एवं पारिवारिक विवाद हैं. जस्टिस बी. डी. राठी ने कहा कि सकारात्मक चिंतन द्वारा मन को स्वस्थ रखना अत्यंत आवश्यक है. डॉ. नितिन साहू ने नियमित स्वास्थ्य जांच कराने एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने पर बल दिया. वहीं डॉ. प्रियंका ने कहा किआत्मा के लिए ध्यान आवश्यक है, जो आंतरिक शक्ति प्रदान करता है.

सेशन जज विनोद राठी ने कहा कि ध्यान योग से मिलने वाली आंतरिक शांति मन एवं तन दोनों को स्वस्थ बनाती है. कुलपति आचार्य डॉ. विजयकुमार सालवी ने लाफिंग एवं क्लैपिंग थेरेपी करवाई. अंत में उपस्थित सभी नर्सेस का सम्मान किया गया.

ज्ञान, साधना और संस्कारों के शिविर का शुभारंभ

- वीतराग-विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर

इंदौर. तीर्थधाम ढाईदीप, इंदौर आज एक बार पुन: जिनवाणी, अध्यात्म और संस्कारों की दिव्य प्रभा से आलोकित हो उठा, जब पंडित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित एवं कुन्दकुन्द कहान शासन प्रभावना ट्रस्ट, इंदौर के तत्वावधान में आयोजित 58वें श्री वीतराग-विज्ञान आध्यात्मिक शिक्षण-प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन हुआ.

कार्यक्रम का शुभारंभ शिविर ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसका पुण्य अचरजदेवी एवं घेवरचन्द ओसवाल परिवार, पीतल फैक्ट्री, जयपुर को प्राप्त हुआ. नित्यनियम पूजन के उपरांत आध्यात्मिक सतपुरुष कानजीस्वामी के समयसार विषयक दिव्य प्रवचनों का लाभ सभी को मिला. आध्यात्मिक सतपुरुष कानजीस्वामी के मंगलिक के साथ सभा का शुभारंभ हुआ. शिविर के उद्घाटनकर्ता अशोक जैन 'अरिहंत कैपिटल' रहे. इस अवसर पर महान विभूतियों के चित्रों का अनावरण भी हुआ. उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता अशोक बड़जात्या ने की. विशिष्ट अतिथियों में परमात्मप्रकाश भारिल्ल, अध्यात्मप्रकाश भारिल्ल, पद्म पहाड़िया एवं सोनल जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे. विद्वतगण में डॉ. शान्तिकुमार पाटील, पण्डित कमलचंद जैन पीड़ावा, डॉ. राकेश शास्त्री नागपुर, पण्डित बिपिन शास्त्री, मुंबई, पण्डित विपिन शास्त्री, नागपुर एवं पण्डित अनुभव शास्त्री, कानपुर की गरिमामयी उपस्थिति रही. संचालन डॉ. विवेक शास्त्री ने किया. स्वागत भाषण देते हुए पण्डित बिपिन शास्त्री, मुंबई ने कहा कि शिविर में केवल प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि प्रवचनों, गोष्ठी, कक्षाओं की ऐसी सुव्यवस्थित व्यवस्था की गई है, जिससे साधर्मीजन स्वयं समाज के लिए उपयोगी अध्यापक बन सकें. शिविर का परिचय देते हुए परमात्मप्रकाश भारिल्ल ने कहा कि यह कार्यक्रम 18 दिनों की ऐसी जीवंत कार्यशाला है जहाँ बच्चा भी अध्यापक बनता है. इस अवसर पर डॉ. हुकमचंद भारिल्ल के विशेष वीडियो प्रसारण ने सभी साधर्मियों को गहराई से प्रभावित किया. इसके पश्चात पण्डित अनुभव शास्त्री, कानपुर के ओजस्वी एवं प्रभावशाली प्रवचन ने समस्त साधर्मियों को आत्मचिंतन और धर्मानुभूति से ओतप्रोत कर दिया. इस विराट शिविर की सबसे अद्भुत विशेषता यह है कि यहाँ प्रतिदिन लगभग 18 से 20 घंटे तक ज्ञान की गंगा निरंतर प्रवाहित होगी.

एक नजर में

खजराना गणेश मंदिर परिसर में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में निकली पहली शोभायात्रा

श्रीमद्भागवत की छत्रछाया में भूल से भी चले जाएं तो पाप कर्मों का नाश संभव

इंदौर. कलियुग में हरि और भगवान का नाम सबसे सरल माना गया है. पुरुषोत्तम मास को स्वयं भगवान विष्णु ने अपना नाम दिया है इसलिए इस माह में की गई भक्ति और साधना का अनंत गुना फल माना गया है. भागवत ऐसा अनुपम और दिव्य ग्रन्थ है जिसकी छत्रछाया में यदि हम भूल से भी चले जाएं तो हमारे सभी जाने-अनजाने में किए गए पाप-कर्मों का नाश होता है. भागवत स्वयं भगवान की वाणी है और 5 हजार वर्षों बाद भी देश के गाँव-गाँव और गली-गली में भागवत की गूंज बने रहना इस बात का प्रमाण है कि भागवत, भारत, भगवान, भक्ति और भक्त-ये सब एकदूसरे के पूरक और पर्याय हैं. इनकी महत्ता किसी भी काल में कम नहीं हो सकती।

ये विचार हैं भागवताचार्य पं. पुष्पानंदन पवन तिवारी के, जो उन्होंने सप्त ऋषि भागवत मंडल के तत्वावधान में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में रविवार को सुबह खजराना गणेश मंदिर स्थित सत्संग सभागृह में प्रारम्भ हुए भागवत ज्ञान यज्ञ के शुभारंभ सत्र में व्यक्त किए. इसके पूर्व मंदिर परिसर में भागवतजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो पुरुषोत्तम मास के प्रसंग पर शहर की पहली शोभायात्रा थी।शोभायात्रा में महिलाएं लाल चुनरी एवं पुरुष चुनरी की जैकेट पहनकर शामिल हुए. व्यास पीठ का पूजन कथा के मनोरथी समूह की ओर से अशोक-आरती खंडेलवाल, रामचंद्र-उषा पितलिया, लक्ष्मण-चंद्रकांता कानूनगो, हितेंद्र-वन्दना ग्रोवर, स्वप्न-स्वाति खंडेलवाल, महेंद्र-दिव्या मानधन्या एवं आशीष-खनक शर्मा आदि ने किया. नगर निगम महापौर परिषद के सदस्य राजेंद्र राठोर, पार्षद मनोज मिश्रा एवं महेंद्र मालवीय सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने भी शोभायात्रा में शामिल होकर व्यास पीठ का पूजन किया.

निष्काम भक्ति ही सच्ची

भागवत की महत्त बताते हुए पं . तिवारी ने कहा कि भागवत और भगवान का नाम सदैव अमर है . जीने की कला रामायण और मरने की कला भागवत सिखाती है . भागवत हम हजारों वर्षों से सुनते आ रहे हैं फिर भी यह हमेशा नूतन एवं प्रेरक है . भगवान की भक्ति निर्मल मन से की जाना चाहिए तभी भगवान प्रसन्न होंगे . निष्काम भक्ति ही सच्ची भक्ति होती है .